भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1661

29 जुलाई, 2026 को उत्तर देने के लिए

अनुसंधान और विकास व्यय

†1661. श्री ससिकांत सेंथिलः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत पांच वर्षों के दौरान देश में अनुसंधान और विकास पर सकल व्यय में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे व्यय का ब्यौरा क्या है और सकल घरेलू उत्पाद में इसका वर्ष-वार प्रतिशत हिस्सा कितना है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान कुल अनुसंधान और विकास व्यय में सरकार, उच्च शिक्षा संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और निजी क्षेत्र का क्रमशः कितना हिस्सा है;

(घ) क्या सरकार केंद्रीय अनुसंधान और विकास व्यय के आंकड़े रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सकल घरेलू उत्पाद के एक हिस्से के रूप में अनुसंधान और विकास व्यय को बढ़ाने तथा अनुसंधान एवं नवाचार में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ख): जी हाँ। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की "*अनुसंधान एवं विकास संबंधी सांख्यिकी 2025-26*" रिपोर्ट के अनुसार, देश में अनुसंधान और विकास पर सकल व्यय (जीईआरडी) में लगातार बढ़ोतरी का रुझान देखा गया है। ऐसे व्यय और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसके प्रतिशत हिस्से का वर्ष-वार विवरण निम्नवत है:

वर्ष	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
जीईआरडी (करोड़ रुपये में)	132,567.01	127,380.96	194,810.83	213,378.12	244,767.81
जीडीपी के प्रतिशत (%) के रूप में जीईआरडी	0.66	0.64	0.83	0.82	0.84

(ग) उक्त अवधि के दौरान कुल अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) व्यय में सरकार और निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी इस प्रकार है:

(प्रतिशत में)

कुल आर एंड डी व्यय में हिस्सेदारी (%)	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
सरकारी क्षेत्र	66.2	63.6	54.5	52.0	48.2
निजी क्षेत्र	33.8	36.4	45.5	48.0	51.8
कुल	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

टिप्पणी: 1. सरकारी क्षेत्र में केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों के संस्थानों + राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों + सार्वजनिक क्षेत्र/संयुक्त क्षेत्र के उद्योगों + सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा किया गया अनुसंधान एवं विकास व्यय शामिल है।

2. निजी क्षेत्र में निजी क्षेत्र के उद्योगों + वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठनों (एसआईआरओ) + निजी उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा किया गया अनुसंधान एवं विकास व्यय शामिल है।

इसके अलावा, उक्त अवधि के दौरान कुल अनुसंधान और विकास व्यय में उच्च शिक्षा संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी इस प्रकार है:

(प्रतिशत में)

कुल आर एंड डी व्यय में हिस्सेदारी (%)	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
उच्च शिक्षा संस्थान	7.5	8.8	12.4	12.9	12.6
सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	3.9	4.4	4.3	4.1	4.1

(घ) जी हाँ। सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा जारी 'अनुसंधान और विकास सांख्यिकी' रिपोर्टों के माध्यम से केंद्रीय आर एंड डी व्यय से संबंधित आंकड़ों का रख-रखाव करती है। यह विभाग राज्य-वार के बजाय क्षेत्र-वार आर एंड डी व्यय के आंकड़ों का अनुरक्षण करता है। विगत पांच वर्षों के दौरान क्षेत्र-वार आर एंड डी व्यय इस प्रकार है:

(करोड़ रुपये में)

क्षेत्र	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
केंद्रीय क्षेत्र	69317.09	61281.48	79355.80	81183.38	85711.50
राज्य क्षेत्र	8554.79	8476.35	8394.24	9193.28	9796.10
निजी क्षेत्र	44753.54	46388.13	82974.99	95422.17	118351.68
उच्च शिक्षा क्षेत्र	9941.59	11235.00	24085.80	27579.29	30908.53
कुल	132,567.01	127,380.96	194,810.81	213,378.13	244,767.81

टिप्पण: 1. केंद्रीय क्षेत्र के आंकड़ों में केंद्र सरकार की आर एंड डी प्रयोगशालाओं/संस्थानों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों/संयुक्त क्षेत्र की कंपनियों का अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) व्यय शामिल है।

2. राज्य क्षेत्र में राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) और राज्य सरकार की आर एंड डी प्रयोगशालाओं/संस्थानों का आर एंड डी व्यय शामिल है।

3. निजी क्षेत्र के आंकड़ों में निजी क्षेत्र की इन-हाउस आर एंड डी इकाइयां और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन (एसआईआरओ) शामिल हैं। एसआईआरओ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान-उन्मुख संस्थाएं हैं।

4. उच्च शिक्षा क्षेत्र के आंकड़ों में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा किया गया आर एंड डी व्यय शामिल है।

(ङ) सरकार ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के हिस्से के रूप में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) व्यय को बढ़ाने और अनुसंधान एवं नवाचार में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- वैज्ञानिक विभागों और अनुसंधान-उन्मुख कार्यक्रमों के लिए बजट आबंटन में क्रमिक वृद्धि।
- निजी क्षेत्र द्वारा संचालित, उच्च-जोखिम और रणनीतिक अनुसंधान को सहायता प्रदान करने के लिए 1.0 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) कोष का शुभारंभ। इस परिवर्तनकारी पहल का उद्देश्य उच्च-प्रभाव वाले आर एंड डी में निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश को प्रोत्साहित करना है।
- केंद्र सरकार से 14,000 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के साथ अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (एएनआरएफ) की स्थापना तथा गैर-सरकारी स्रोतों से अतिरिक्त धनराशि जुटाना।
- राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (बजट परिव्यय: 6,003.65 करोड़ रुपये), राष्ट्रीय अंतरविषयक साइबर-भौतिकी प्रणाली मिशन (बजट परिव्यय: 3,660 करोड़ रुपये), भारत सेमीकंडक्टर मिशन (बजट परिव्यय: 76,000 करोड़ रुपये), राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन, आदि सरीखे राष्ट्रीय मिशनों का शुभारंभ।
- सहयोगात्मक प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अंतरविषयक साइबर-भौतिकी प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) के अंतर्गत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को बढ़ावा देना तथा प्रौद्योगिकी केंद्रों की स्थापना।
- स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास, प्रोटोटाइपिंग, विस्ताार और उद्योग संपर्कों को सहायता प्रदान करके भारत के नवाचार-से-विनिर्माण तक की शृंखला को मजबूत करने, और इस प्रकार आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी-अग्रणी नवाचार कार्यक्रमों का कार्यान्वयन, जैसे कि: राष्ट्रीय नवाचार विकास एवं दोहन पहल (निधि), जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के कार्यक्रम, रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडेक्स) और टाइड 2.0 (प्रौद्योगिकी संवर्धन और उद्यमियों का विकास)।

- निजी क्षेत्र की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने वाले प्रावधानों के साथ भू-स्थानिक नीति 2022, अंतरिक्ष नीति 2023, तथा बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं रोजगार हेतु जैव प्रौद्योगिकी) नीति 2024 जैसी सक्षमकारी नीतिगत रूपरेखाओं का शुभांरभ।

इन पहलों का सामूहिक उद्देश्य भारत की अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को मजबूत करना, शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के बीच सहयोग को बढ़ावा देना तथा समय के साथ राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास व्यय में निरंतर वृद्धि के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करना है।

*****